522
M.K.N.

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–23)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	**GSM (M-I)-2423**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: IQBAL AHMAD **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): HINDI **Reg. Number:**

Center & Date: 06 sep, 2024 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 6421410

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH.***

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

drishti | दृष्टि The Vision

1. भारत उच्च व्यापार घाटे की चुनौती का सामना कर रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

The challenge of a high trade deficit haunts India. Analyze its impact on the Indian economy. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आर्थिक दृष्टिकोण से विकासशील अर्थव्यवस्था होने के कारण और भारतीय संदर्भ में विदेशी मुद्राओं पर अधिक निर्भरता के कारण भारत व्यापार घाटे का सामना कर रहा है।

भारत का उच्च व्यापार घाटा

- → मुख्यत: आयात पर निर्भरता
- → रुपये की परिवर्तनीयता
- → डॉलर आधारित वैश्विक अर्थव्यवस्था
- → भारतीय सेवा क्षेत्रक पर निर्भरता
- → कृषि क्षेत्र की अधिक संलग्नता
- → भारतीय वस्तुओं की वैश्विक मांग के अनुरूप न्यूनतम होना
- → पेट्रोलियम पदार्थों आदि का अधिक आयात
- → निर्यात में कमी।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय अर्थव्यवस्था पर उच्च व्यापार घाटे का प्रभाव:

⇒ भारतीय मुद्रास्फीति में वृद्धि

⇒ वैश्विक मुख्य मुद्राओं में कमी

⇒ भारतीय रुपये की डावांडोल स्थिति

⇒ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता में कमी

आगे की राह:

⇒ निर्यात-मुख्य अर्थव्यवस्था बनाना

⇒ पेट्रोलियम पदार्थों का कम आयात करने हेतु नवीकरणीय संसाधनों का उपयोग करना

⇒ आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम बढ़ाना

⇒ सेवा क्षेत्र निर्यात से वस्तुओं के निर्यात हेतु लक्ष्यीकरण

⇒ ₹ को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार हेतु डॉलर, यूरो आदि से प्रतिस्थापन करना।

इस प्रकार कहा जाता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था उच्च व्यापार घाटे से आत्मनिर्भरता के द्वारा बेहतर प्रबंधन के रूप में व्यापार घाटे में कमी कर सकती है।

2. अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना ने भारतीय विश्वविद्यालयों में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में कायाकल्प की संभावना को प्रकट किया था; हालाँकि वास्तविक तस्वीर निराशाजनक दिखती है। टिप्पणी कीजिये।

(150 शब्द) 10

The foundation of Anusandhan National Research Foundation promised an overhaul in the field of research, innovation and entrepreneurship in Indian universities; however, the real picture looks gloomy. Comment.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत सरकार द्वारा अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (ANRF) की स्थापना विश्वविद्यालयों में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में कायाकल्प करने हेतु की गई थी, लेकिन बेहतर क्रियान्वयन न होने के कारण यह योजना ज्यादा सफल नहीं हो सकी।

निम्नलिखित कारण हैं।

⇒ भारतीय विश्वविद्यालयों में स्वायत्तता का अभाव

⇒ भारतीय विश्वविद्यालयों में रचनात्मकता का अभाव

⇒ अधिकांश प्रोफेसर अधिक रचनात्मकता एवं तकनीकी परिवर्तन के प्रति बेहतर अनुक्रिया नहीं करते हैं।

⇒ शोध एवं विकास (R&D) में विश्वविद्यालयी मानक का विश्वस्तरीय न होना।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ राष्ट्रीय विश्वविद्यालय प्रत्यायन बोर्ड (NAAC) की रैंकिंग में पाठ्यक्रम और शैक्षिक गुणवत्ता पर कम ध्यान देना।

⇒ उच्च शिक्षा विशेषतः PhD. की शिक्षा में दोहराव (कॉपी-पेस्ट) की अधिक स्थिति।

⇒ लैंगिक समस्या

<u>आगे की राह:</u>

⇒ प्रोफेसर्स को कौशल, तकनीक का ज्ञान दिया जाना

⇒ NAAC ग्रेडिंग सिस्टम में सुधार किया जाना

⇒ रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना।

⇒ वैश्विक उच्च संस्थानों से संबद्ध करते हुए उनके शाखाओं को शुरू करना।

उपर्युक्त प्रयासों के क्रम में भारतीय विश्वविद्यालय को बेहतर अनुकूल ढांचा उपलब्ध कराना नितांत आवश्यक है जिससे कि उच्च शिक्षण संस्थानों को वैश्विक मानक के अनुरूप खड़ा किया जा सके।

drishti | दृष्टि The Vision

3. राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं और इससे भारत के निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण पर किस प्रकार का प्रभाव प्रत्याशित है? (150 शब्द) 10

What are the key objectives of the National Green Hydrogen Mission, and how is it expected to impact India's transition to a low-carbon economy? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संधारणीय ऊर्जा को बढ़ावा देते, पर्यावरण प्रदूषण में कमी लाने के साथ ही भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने हेतु राष्ट्रीय हरित मिशन के क्रियान्वयन पर जोर देने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय हरित मिशन के प्रमुख उद्देश्य:

⇒ पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में कमी लाना

⇒ पेट्रोल और डीजल में जैविक ईंधन की मात्रा क्रमशः 20% और 10% बढ़ाना

⇒ नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना

⇒ जैविक ऊर्जा पर फोकस करना

⇒ स्वच्छ एवं संधारणीय ऊर्जा अपनाने पर जोर

⇒ प्रदूषण में कमी लाना।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था और संक्रमण प्रभाव:

⇒ भारत की कार्बन-उत्सर्जन नीति में लाभकारी

⇒ दीर्घकालिक नीति जैसे 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन में लाभदायक सिद्ध हो सकता है।

⇒ सतत विकास लक्ष्य 2030 को प्राप्त करने में सहायक

⇒ भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने एवं निर्यात-न्मुख बनाने में सहायक

⇒ लैंगिक समानता, स्वच्छता एवं प्रदूषण प्रभाव कम करने में सहायक।

⇒ उपर्युक्त सभी बिंदुओं को अपनाकर भारत हरित हाइड्रोजन जैसी स्वच्छ ऊर्जा मानकों को अपनाकर सामाजिक, आर्थिक तथा पर्यावरणीय सतत विकास हासिल कर सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

4. भारत में कोयला क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है परंतु यह अभी भी सभी समस्याओं से मुक्त नहीं है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Coal sector in India has shown great improvements but it is still not free from all problems. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत सरकार द्वारा कोयला ब्लॉक आवंटन की नीति में प्रमुख रूप से आयात निर्भरता को कम करने के लिए कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया जा रहा है।

* कोयला ब्लाक में सुधार

⇒ ई - नीलामी

⇒ रैट होल माइनिंग को समाप्त करने पर जोर

⇒ कोयले की गुणवत्ता और पर्यावरणीयता सुनिश्चित करना

⇒ नवीकरणीय ऊर्जा मानकों को अपनाना

* कोयला क्षेत्र की समस्याएं :

1. भौगोलिक

⇒ कोयला पर्वतीय खानों से निकाला जाता है जिसमें

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अधिक क्षेत्रीय विविधता क्या है।

⇒ कोयले की निम्न क्षेत्रीयता

⇒ उड़ीसा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ आदि जैसे राज्य

⇒ 2. गुणवत्ता

⇒ कोयले की (भारतीय) गुणवत्ता में गिरावट

⇒ राख की अधिक मात्रा

⇒ अधिकांश कोयला खानों का अधिक पुराना होना

आगे की राह:

⇒ पारदर्शिता को बढ़ावा देना

⇒ भ्रष्टाचार में कमी लाना

⇒ नवीकरणीय संसाधनों पर जोर देना

इस प्रकार कहा जा सकता है कि सतत ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु भारत को कोयला आधारित संरचनात्मक सुधार करने की आवश्यकता है।

5. कारखानों में दुर्घटनाओं में वृद्धि गंभीर चिंता का विषय है। स्पष्ट कीजिये कि निरीक्षण से संबंधित मुद्दों ने किस प्रकार इस समस्या को बढ़ाया है एवं स्थिति से निपटने के लिये कुछ प्रभावी उपाय संबंधी सुझाव प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

The increase in the incidence of factory accidents raises serious concerns. Explain how issues related to inspection have contributed to the problem and suggest some effective measures to handle the situation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बढ़ते औद्योगीकरण एवं अनियोजित विकास तथा परम्परागत मानकों को अपनाते एवं तकनीक तथा व्यवहार को नजरअंदाज करने की वजह से भारत के औद्योगिक कारखानों में दुर्घटनाओं में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है जिसके प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं।

⇒ मशीनों का पुराना होना

⇒ सुरक्षा के बेहतर मानकों का अभाव

⇒ अधिकांश कारखानों में प्रायः एलार्म सिस्टम, दो दरवाजों का (निकास और प्रवेश) न होना।

⇒ दुर्घटना की स्थिति में कर्मचारी प्रशिक्षण अभाव

* निरीक्षण से सम्बंधित मुद्दे :

⇒ श्रमिक समस्याओं पर कम ध्यान देना

⇒ भ्रष्टाचार

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ अधिकारियों की कमी एवं प्रशिक्षण अभाव

⇒ श्रम कानूनों की कम जानकारी

⇒ नियमों में कम लचीलापन

⇒ प्रवर्तन मानकों में कमी

* कारखानों में दुर्घटना कम करने हेतु सुझाव:

⇒ बेहतर बुनियादी संरचना प्रदान करना

⇒ समय-समय पर चेक करना

⇒ अग्नि, भूकम्प, बाढ़ आदि से निपटने हेतु अलार्म सिस्टम

⇒ मानकों को कठोरता से लागू किया जाए।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि कारखानों की दुर्घटना को रोकने हेतु विश्व स्तरीय दुर्घटना बचाव कार्यक्रम जैसे सेंडाई फ्रेमवर्क को अपनाने की आवश्यकता है।

6. सीमित संसाधनों वाले विश्व में वैश्वीकरण और उभरती हुई प्रौद्योगिकी परस्पर संबंधित हैं। भारत के विशेष संदर्भ में स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Globalization and emerging technology are interconnected in a resource-limited world. Elucidate with special reference to India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बढ़ते वैश्वीकरण मानवों हेतु संसाधनों की सीमित उपलब्धता सन्निहित है क्योंकि बिना संधारणीय उपयोग के मानव हेतु जीवन की उपयोगी वस्तुओं में ह्रास की स्थिति पैदा हो जाती है।

* वैश्वीकरण एवं उभरती हुई प्रौद्योगिकी :

⇒ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मशीनों की स्वयं की कार्यप्रणालीगत क्षमता में वृद्धि।

⇒ मेटावर्स

⇒ क्लाउड कंप्यूटिंग

⇒ Q जीन एडीटिंग

⇒ 3 D प्रिंटिंग

⇒ क्रिप्टो करेंसी

⇒ ई-पर्यटन

⇒ ई-गवर्नेंस

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* भारतीय संदर्भ में वैश्वीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाव:

⇒ ई-रुपी लागू करना

⇒ UPI को अन्य देशों में सहज बनाना

⇒ व्यापार एवं निवेश प्रतिफल में वृद्धि

⇒ सांस्कृतिक, पर्यावरणीय एवं आर्थिक लाभ

⇒ व्यापार एवं संरक्षणवाद में वृद्धि।

महात्मा गांधी कहते हैं कि इस विश्व में पृथ्वी पर सभी के लिए पर्याप्त रूप में बहुत कुछ है मगर किसी के लालच के लिए कुछ भी नहीं है। अतः संरक्षणवाद को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

7. भारत में कृषि वस्तुओं का एक बड़ा वैश्विक निर्यातक बनने की अपार संभावनाएँ हैं। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

India has tremendous potential in becoming a large global exporter in agricultural commodities. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कृषि प्रधान देश होने के कारण भारत में कृषिगत उत्पादन निरंतर वृद्धिशील रहा है। वर्तमान समय में भारत ~~का~~ कृषि आयात से कृषि निर्यात अर्थव्यवस्था ~~बनने~~ की प्रबल संभावनाएं दृष्टिगत होती हैं।

* भारत के कृषि क्षेत्र में निर्यात की संभावना :

⇒ भारत में खाद्यान्नों का अधिशेष उत्पादन होने के कारण कृषि निर्यात को गतिशीलता प्राप्त हो सकती है।

⇒ गेहूं, चावल और सब्जी, फल, दूध जैसी कृषिगत उपलब्धता में भारत की आत्मनिर्भरता में वृद्धि हुई है।

⇒ भारत की सेवा क्षेत्र में ~~कि~~ अधिक वृद्धि एवं कृषि क्षेत्र की वृद्धि में संतुलन लाने की जरूरत है।

⇒ मोटे अनाजों जैसे मिलेट्स, कोदो, रागी, ज्वार, बाजरा को निर्यात में वरीयता देना।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हालांकि कुछ बाधाएं भी देखी जा रही हैं:—

⇒ खाद्यान्न फसलों की अधिकता जैसे, गेहूं, चावल आदि।

⇒ दालों, खाद्य तेल आदि का कम उत्पादन

⇒ TOP (टमाटर, आलू, प्याज) की कीमतों की प्रवर्तनीयता (volatile) होना।

⇒ भण्डारण क्षमता अभाव

⇒ किसानों को कम तकनीकी जानकारी।

आगे की राह:

⇒ वैश्विक मानकों को अपनाना

⇒ किसी फसल के अधिशेष भण्डारण होने पर उसका सामान बनाना जैसे टमाटर से कैचअप, आलू से चिप्स आदि।

⇒ कुटीर उद्योगों को गति देना

⇒ भण्डारण क्षमता बढ़ाना

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ शामिल करने हेतु निर्यातोन्मुख बनाने हेतु नवीकरणीय एवं प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

8. संवहनीय कृषि पद्धतियों के संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य के महत्त्व पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the significance of soil health in the context of sustainable agricultural practices. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने, आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने हेतु भारत को संवहनीय कृषि पद्धतियों में मृदा स्वास्थ्य को बढ़ा देने की आवश्यकता है। मृदा स्वास्थ्य बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार द्वारा की गई पहलें निम्न लिखित हैं: —

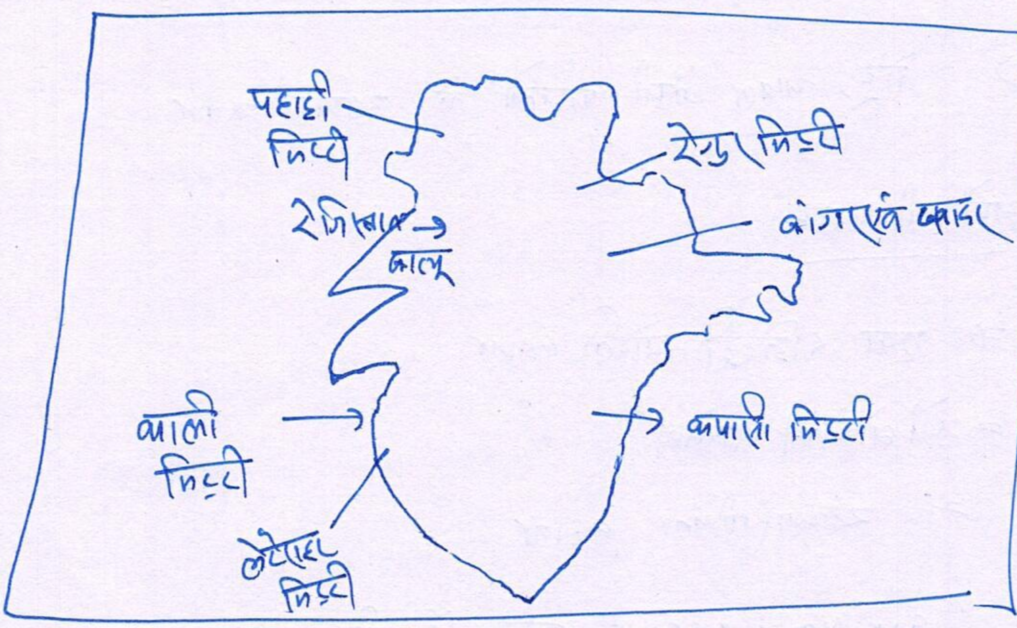

⇒ भारत में मृदा की क्षेत्रीय भिन्नता पायी जाती है जो कि मुख्यत: 6 प्रकार की मृदा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ मृदा ~~कार्ड~~ कार्ड जारी किये गये हैं।

⇒ समय समय पर मृदा जांच

⇒ सतत विकास लक्ष्य प्राप्ति हेतु मृदा संधारणीयता

हलांकि कुछ समस्याएं दृष्टिगोचर होती हैं -

⇒ एकाकीय फसलों (Monoculture) को बढ़ावा

⇒ सब्सिडी लागत

⇒ गेहूं, चावल जैसी फसलों के अधिक ध्यान

आगे की राह:

⇒ मृदा रजिस्ट्री पोर्टल बनाना

= प्रौद्योगिकी प्रयोग

= संधारणीयता बढ़ाना

इस प्रकार कहा जा सकता है कि मृदा संरक्षण भारत के सतत विकास लक्ष्यों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

9. लाभों, चुनौतियों एवं पर्यावरणीय प्रभावों के संदर्भ में अपतटीय और तटीय पवन ऊर्जा की तुलना कीजिये। (150 शब्द) 10

Compare and contrast offshore and onshore wind energy in terms of their benefits, challenges, and environmental impacts. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास को प्राप्त करने के साथ ही पर्यावरण प्रदूषण प्रभाव को कम करने हेतु भारत में अपतटीय और तटीय पवन ऊर्जा आवश्यकताओं जैसे स्वच्छ भारत को अपनाये जाने की जरूरत है; हलांकि इसमें अनेक उतार-चढ़ाव भी देखे जाते हैं।

* अपटतीय एवं तटीय ऊर्जा लाभ:

⇒ निम्न कार्बन प्रदूषण

⇒ सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में आसानी।

⇒ स्वच्छ ऊर्जा भारतीकरण।

⇒ भारत के शून्य कार्बन लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता

⇒ पंचामृत को प्राप्त करने में सहायक

⇒ नवीकरणीय संसाधनों को अपनाकर आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त किया जाता।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चुनौतियां एवं पर्यावरणीय प्रभाव:

⇒ लागत मूल्य की अधिकता

⇒ अपतटीय पवन ऊर्जा में पक्षियों की मृत्यु
उदाहरण राजस्थान क्षेत्र में ग्रेट इंडियन (बस्टर्ड - ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) की मृत्यु होना।

⇒ भारत में अल्प विकास के रूप में पवन ऊर्जा की संवहनीय लागत मूल्य

⇒ पवन ऊर्जा हेतु प्रचुर संसाधन की उपलब्धता न होना

इस प्रकार कहा जा सकता है कि भारत में अपतटीय एवं तटीय पवन ऊर्जा हेतु अधिक ध्यान देने की जरूरत है। जिससे कि नवीकरणीय ऊर्जा की ओर केन्द्रित किया जा सके।

10. एक सुपरिभाषित राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यनीति (NSS) समकालीन सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में किस प्रकार योगदान दे सकती है? भारत के लिये एक व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यनीति के महत्त्व पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

How can a well-defined National Security Strategy (NSS) contribute to addressing contemporary security challenges? Discuss the significance of having a comprehensive National Security Strategy (NSS) for India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में सुरक्षा के प्रति अनेक संवेदनशील क्षेत्र हैं। जिसमें से इसकी लम्बी सीमाएं सुभेद्यता पैदा करती हैं। एक सुपरिभाषित राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यनीति का क्रियान्वयन करना भारतीय संदर्भ में वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप होना चाहिए।

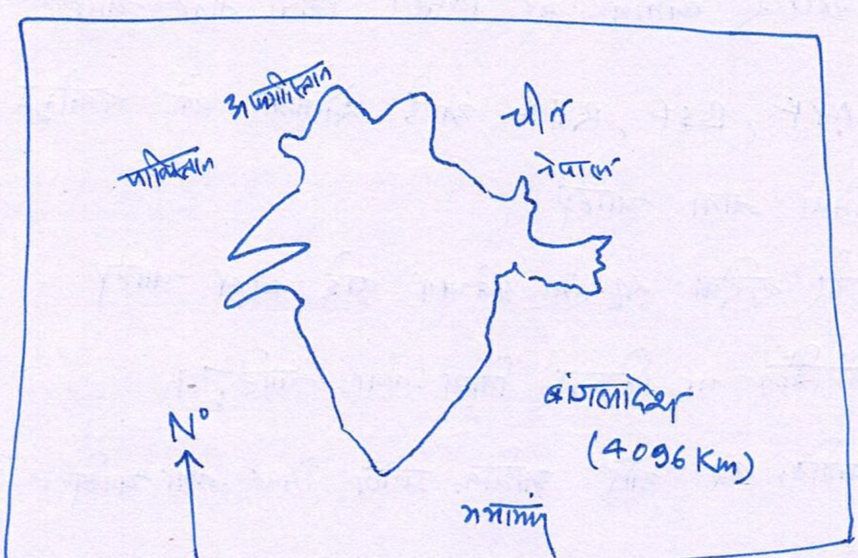

चुनौतियां :-

→ विभिन्न देशों की सीमा से लगा होने के कारण सुभेद्यता

→ हाल ही में बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ बांग्लादेश शरणार्थी समस्या

⇒ चीन गालवान, डोकाघाटी आदि जैसे क्षेत्रों पर विवाद

⇒ पाकिस्तान : कश्मीर मुद्दा, सर क्रिक मुद्दा

⇒ नेपाल लिपियाधुरा, कालापानी, लिपुलेख मुद्दा

⇒ म्यांमार रोहिंग्या शरणार्थी मुद्दा आदि प्रमुख हैं।

राष्ट्रीय व्यापक सुरक्षा नीति:

⇒ विशेष कमान का विस्तार किया जाना चाहिए

⇒ CAPF, BSF, RPF आदि सेनाओं को एकीकृत किया जाना चाहिए

⇒ बॉर्डर एरिया सुरक्षा प्रबंधन करे जाने चाहिए

⇒ फेंसिंग का विस्तार किया जाना चाहिए।

⇒ तकनीक का और अधिक प्रयोग किया जाना चाहिए।

इस प्रकार भारत को एकीकृत सोच के माध्यम से बॉर्डर एरिया सुरक्षा प्रबंधन को प्रमुखता दी जानी चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

11. विश्व के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देशों में से एक होने के बावजूद, कृषि निर्यात के मामले में भारत का श्रेणीक्रम निम्न है। इस संदर्भ में, भारत में फसलोपरांत हानियों की समस्या पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए कृषि विकास के समक्ष विद्यमान समस्याओं पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite being one of the largest agricultural producers in the world, India ranks much lower in terms of agricultural exports. In this context, address the issues faced in agricultural growth with special focus on the problem of post-harvest losses in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत कृषि प्रधान देश रहा है जहां तक वैश्विक सम्बंध में देखा जाए तो भारत की स्थिति पहले अधिक बेहतर नहीं रही है परन्तु बढ़ते तकनीकि प्रयोगों तथा बेहतर खाद, बीज और नवीकरणीय संसाधनों को अपनाने के कारण वर्तमान समय में भारत आयातक देश से निर्यातक अर्थव्यवस्था बनाने के क्रम में प्रमुख लक्ष्य हेतु समर्पित है।

कृषि निर्यात में भारत की निम्न स्थिति के कारण :

- ⇒ बीजों की गुणवत्ता एवं नवाचार
- ⇒ खेतों का जोत आकार निम्न होना
- ⇒ बुनियादी अवसंरचना ढांचा का निम्न होना
- ⇒ सकल फसल निर्भरता होना
- ⇒ प्रौद्योगिकी की सीमित जानकारी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में फसलोपरांत हानियां :-

⇒ भण्डारण क्षमता में कमी

⇒ नवीकरणीय संसाधनों की निम्न स्थिति

⇒ खाद्य प्रसंस्करण उपयोग में कमी

⇒ प्राकृतिक आपदाएं (सूखा, बाढ़, कीट प्रकोप आदि)

⇒ भण्डारण क्षमता मानकों की न्यून जानकारी।

• कृषि विकास के समक्ष समस्याएं :-

⇒ मंडियों की संख्या एवं अभाव

⇒ फसल मूल्यों का कम प्राप्त होना

⇒ बिचौलियों की अधिकता

⇒ फार्म टू फोर्क (खेत से थाली) तक कठोर बुनियादी ढांचा मानक

⇒ परिवहन लागत

⇒ अंतर्राष्ट्रीय बाजार की न्यूनतम जानकारी

⇒ प्रौद्योगिकी प्रयोग हेतु न्यूनतम जानकारी

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कृषि निर्यात बढ़ाने एवं वैश्विक मानक उपलब्ध कराने हेतु सुझाव व प्रयास:

⇒ मिश्रित कृषि बढ़ावा

⇒ प्रौद्योगिकी प्रयोग

⇒ मूल्य संवर्धन

⇒ सामूहिक कृषि को बढ़ावा

⇒ भण्डारण क्षमता बढ़ाव।

⇒ विनियमों का अनुपालन

⇒ ई-नाम जैसी ऑनलाइन मानक बढ़ावा

⇒ परिवहन अवसंरचना में सुधार

⇒ बीजों की गुणवत्ता एवं बीज बैंक बनाना

उपर्युक्त सभी आर्थिक आवश्यकताओं में बेहतर अनुकूलन करते हुए कृषि गत व्यवस्था में संरचनात्मक सुधारों को प्रभुत्व से लागू किये जाने की जरूरत है।

drishti | दृष्टि The Vision

12. वंचित आबादी तक डिजिटल भुगतान सेवाओं के विस्तार से संबद्ध चुनौतियों का परीक्षण कीजिये और डिजिटलीकरण के माध्यम से वित्तीय समावेशन के संवर्द्धन हेतु कार्यनीतियाँ प्रस्तावित कीजिये। (250 शब्द) 15

Examine the challenges of extending digital payment services to underserved populations and propose strategies to enhance financial inclusion through digitization. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

एक विकासशील देश होते के बावजूद भारत में डिजिटल भुगतान की स्थिति अन्य विकसित देशों से भी काफी बेहतर है। परन्तु प्रौद्योगिकी की सीमित जानकारी एवं बढ़ते डिजिटलीकरण अपराधों के प्रति सुभेद्यता होने के कारण अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है।

* वंचित आबादी तक डिजिटल भुगतान सेवा विस्तार एवं चुनौतियां :

⇒ निम्न शैक्षिक स्तर

⇒ तकनीकि की न्यून जानकारी

⇒ लचीलापन की निम्न स्थिति

⇒ इंटरनेट की अनिवार्यता

⇒ डिजिटल मोबाइल कनेक्शन

⇒ साइबर अपराध की तीव्रता

⇒ बेहतर शिकायत समाधान न होना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* डिजिटलीकरण के माध्यम से वित्तीय समावेशन :

=> महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना

=> साइबर क्राइम को दूर करने हेतु कठोर उपाय

=> UPI को वैश्विक नेटवर्क से जोड़ना जिससे कि प्रवासी भारतीय नागरिकों को अपनी आय घर भेजने (भारत में) हेतु सुलभता हो।

=> इंटरनेट की आवश्यकता को पूर्ण रूप से समाप्त करना

=> ई-रुपी को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

=> आयात-निर्यात हेतु डिजिटल मुद्रा परिवर्तन सुलभता

=> घरेलू डाक खातों, स्माल बैंकों की घर से जमा निकासी (डोर-टू-डोर) जाना

=> वित्तीय साक्षरता में वृद्धि करना

=> सरलता एवं सुलभतापूर्ण मानकों को ~~क्रियान्वित~~ क्रियान्वयन हेतु अपनाना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार कहा जा सकता है कि डिजिटल भुगतान सेवाओं को अधिक लोगों के बीच सहभागी बनाने हेतु वित्तीय समावेशन प्रदान करने हेतु संरचनात्मक एवं कृतिपादी सुधार की आवश्यकता है।

13. हाल में प्रवाल विरंजन की परिघटनाएँ चिंताजनक स्थिति का संकेत हैं। प्रवाल विरंजन की परिघटना के पश्च में निहित कारणों की व्याख्या कीजिये। इस समस्या से निपटने के क्या उपाय हैं? (250 शब्द) 15

The recent episodes of coral bleaching are signs of an alarming situation. Explain the reasons behind the phenomenon of coral bleaching. What are the ways to tackle this problem? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण के कारण प्रवाल विरंजन की घटनाएं देखी जा रही हैं। प्रवाल मुख्यतः सजीव जीव होते हैं जो पॉलिप्स के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े होते हैं तथा एक मजबूत दीवार बनाकर परिस्थितिकीय संतुलन एवं विविधता में वृद्धि करने में योगदान देते हैं।

प्रवाल विरंजन की परिघटना में निहित कारक:

प्राकृतिक कारक:

⇒ बाढ़, तूफान, सुनामी आदि प्रवाल के प्रति सुभेद्यता प्रदान करते हैं।

⇒ महासागरीय प्रभाव जैसे अधिक गर्मी आदि प्रवाल विरंजन को प्रभावित करते हैं।

⇒ बढ़ता तापमान पर्यावरण प्रदूषण प्रमुख रूप से विशेषकर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* मानवीय कारक

⇒ कृषि अपशिष्टों की अधिकता

⇒ सुपोषण (यूट्रोफिकेशन) में वृद्धि होने के कारण

⇒ जूजेथले की मृत्यु हो जाने के कारण प्रवाल विरंजन

⇒ अधिक कार्बन प्रदूषण की स्थिति से सागरीय जल का गर्म होना

⇒ सागरीय प्रदूषण एवं अधिक ~~[illegible]~~ मत्स्यन

⇒ तकनीकीय संसाधनों का अभाव

⇒ जागरूकता का अभाव (विशेषतः) नाविकों और सागरीय आर्थिक क्रम में जुड़े लोगों का)।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रवाल विरंजन की परिघटना को कम करने हेतु उपाय :

⇒ कृषि कर्दम का उचित निपटान किया जाना चाहिए।

⇒ पर्यावरण प्रदूषण को कम किया जाना

⇒ जलीय संवेदनशीलता में वृद्धि करना

⇒ नवीकरणीय संसाधनों को अपनाना

⇒ सतत विकास लक्ष्यों हेतु अनुकूलन

⇒ सागर पहल जैसी प्रयासों को सुधारात्मक रूप से लागू किया जाना

⇒ कोरल विरंजन हेतु वैश्विक मंच बनाया जाना चाहिए।

⇒ जागरूकता।

उपर्युक्त सभी मानकों को बेहतर क्रियान्वयन के रूप में लागू करने पर प्रवाल विरंजन को रोका जा सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

14. जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार खतरे का सामना कर रहे मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिये हम क्या कदम उठा सकते हैं? इनके संरक्षण के लिये राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आरंभ की गई कुछ पहलों का भी उल्लेख कीजिये?

(250 शब्द) 15

What steps can we take to protect mangrove ecosystems, which are increasingly threatened by climate change. Also mention some initiatives at national and international level to support their conservation?

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मैंग्रोव पर्यावरण पारिस्थितिकी के प्रमुख आधिकरण के रूप में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक लाभ में योग देते हैं। बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण एवं असंधारणीय मानकों को अपनाने के कारण मैंग्रोव पर खतरा दिखाई देता है। उचित कदम एवं ठोस कार्यवाही हेतु निम्न मानक अपनाने जा सकते हैं:—

⇒ मैंग्रोव क्षेत्रों की मैपिंग की जानी चाहिए

⇒ संधारणीय मत्स्यन का उपयोग किया जाना

⇒ बेहतर अवसंरचना ढांचा बनाया जाना

⇒ पर्यावरण पारिस्थितिकी में मैंग्रोव की भूमिका को समझना एवं जागरूकता पैदा करने पर जोर देना।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत सरकार द्वारा मैंग्रोव संरक्षण हेतु पहल:

⇒ मैंग्रोव संरक्षण हेतु राष्ट्रीय कार्य-नीति का विकास

⇒ राज्यों के साथ चर्चा

⇒ सुंदरवन क्षेत्र में मैंग्रोव की स्थिति आंकलन हेतु बांग्लादेश एवं भारत में संरक्षण समझौता

⇒ तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा एवं मैपिंग

⇒ पारिस्थितिकीय संतुलन हेतु अन्य देशों के साथ सहयोग कार्यवाही

• मैंग्रोव संरक्षण हेतु अंतर्राष्ट्रीय प्रयास.

⇒ सतत मैंग्रोव पारिस्थितिकी आधार पर वैश्विक संगठनों की एकजुटता

⇒ वार्षिक समीक्षा का करना

⇒ स्वराज पहल

⇒ SALOS कार्यक्रम

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ CO_2 प्रदूषण प्रभाव में कमी लाना

⇒ स्थानीय पारिस्थितिकी में सुधार करना

मैंग्रोव अपनी जड़ों की विशिष्टता के कारण पारिस्थितिकीय संतुलन में योग देकर आर्थिक, सामाजिक एवं भौगोलिक सुरक्षा प्रदान करते हुए पर्यावरण में सकारात्मक योग देते हैं। अतः इसके संरक्षण हेतु ध्यान देने की जरूरत है।

15. तकनीकी वस्त्र बाज़ार में भारत की वैश्विक स्थिति को सुदृढ़ करने में राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के महत्त्व पर चर्चा कीजिये। भारत में इस क्षेत्र के समक्ष कौन-सी प्रमुख चुनौतियाँ विद्यमान हैं? (250 शब्द) 15

Discuss the significance of the National Technical Textiles Mission in enhancing India's global position in the technical textiles market. What are the key challenges faced by this sector in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

परम्परागत वस्त्रों की अपेक्षा तकनीकी वस्त्र एक नवीन अवधारणा के रूप में वैश्विक संदर्भ में सामाजिक एवं सुरक्षा मानकों तथा प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों की वृहद पृष्ठभूमि प्रदान करते हैं।

तकनीकी वस्त्र के कार्य:

⇒ सुरक्षा संबंधी वस्त्र जैसे सेना के सिपाही द्वारा प्रयोग किया जाने वाला वस्त्र

⇒ खेल-कूद जैसे वस्त्र

⇒ अंतरिक्ष उपयोग हेतु वस्त्र

⇒ मौसम अनुकूलन हेतु वस्त्रों की श्रृंखला

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन:

⇒ तकनीकी वस्त्रों हेतु भारत में अवसंरचना ढांचा निर्माण।

⇒ अंतरिक्ष पर्यटन, खेल सामग्री, सामाजिक उपयोग हेतु तकनीकी वस्त्रों की श्रृंखला निर्माण पर जोर

⇒ तकनीकी वस्त्रों के आयात में कमी लाना एवं आत्मनिर्भरता की संस्कृति को बढ़ावा देना।

⇒ भारतीय मौसम के साथ तकनीकि वस्त्रों का अनुकूलन करने पर जोर देना।

* भारत के समक्ष तकनीकि वस्त्रों संबंधी चुनौतियां:

⇒ तकनीकी वस्त्रों के उपयोग हेतु कच्चा माल (Raw Material) का अभाव।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⇒ तकनीकी वस्त्रों की कम जानकारी एवं, न्यूनतम मशीनरी इकाइयां

⇒ पहुंच, परिवहन एवं अधिक लागत प्रभाव

⇒ जटिलता एवं क्रियान्वयन अभाव

उपर्युक्त के आधार पर कहा जा सकता है कि भारत में तकनीकी वस्त्रों के बारे में अधिक समावेशन की आवश्यकता है।

16. ट्रांस-फैट क्या हैं? इनसे संबद्ध स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर चर्चा कीजिये और बताइये कि इनके उपभोग को सीमित करने के लिये कौन-से कदम उठाए जा रहे हैं? (250 शब्द) 15

What are Trans-fats? Discuss the health concerns associated with them and what steps are being taken to limit their consumption? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ट्रांस फैट बैड कोलेस्ट्राल का एक रूप है जो असंतुलित खान-पान की आदतों एवं स्वास्थ्य पर ध्यान न देने के कारण मोटापा, हृदय रोग (कार्डियोवास्कुलर डिजीज) का कारण करता है।

* ट्रांस फैट के कारण स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं :

⇒ बढ़ना मोटापा और असमय मृत्यु

⇒ आर्थिक रूप से अधिक क्षति

⇒ जनांकिकीय लाभांश में बाधा

⇒ स्ट्रीट फूड, जंक फूड बैड कोलेस्ट्राल को बढ़ावा देते हैं।

⇒ मैकडोनाल्डाइज़ेशन

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ हृदय रोगों की बढ़ती खतरनाक प्रवृत्ति

⇒ सामाजिक सहचर्य में गिरावट

⇒ सकल उत्पादन में ह्रास की स्थिति

⇒ बढ़ता आउट ऑफ पॉकेट खर्च।

* ट्रांस फैट को समाप्त करने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम :-

⇒ ईट राइट मूवमेंट के माध्यम से जागरूकता

⇒ गुड कोलेस्ट्राल को बढ़ावा देने हेतु FSSAI की पहल

⇒ खाद्य पैकेटों पर संकेतांक एवं मिश्रित सामग्री लिखना

⇒ RUCO (रूको - पहल) री. यूज्ड कुकिंग आयल को समाप्त करने पर जोर देना।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ मिशन LiFE जैसी जीवन पद्धतियों को प्रमुखता देना।

⇒ स्वस्थ एवं संतुलित आहार के बारे में जागरूकता

⇒ हृदय रोग को कम करने हेतु कैंपेन चलाना

⇒ फूड फोर्टिफिकेशन मानक तय करना।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि ट्रांस-फैट भौतिक रूप से आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यावरणीय रूप से नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। इसे समाप्त करने की नितांत आवश्यकता है।

17. भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की व्यापकता एवं महत्त्व पर विस्तृत चर्चा कीजिये। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की चुनौतियों को संबोधित करने के लिये भारत सरकार द्वारा कौन-से नीतिगत उपाय किये गए हैं? (250 शब्द) 15

Elaborate the scope and significance of the food processing industry in India. What are the policy measures taken by the government of India to meet the challenges of the food processing sector. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

एक कृषि प्रधान देश होने के कारण भारत में कृषि क्षेत्रक की अधिशेष खाद्यान्न उपलब्धता में तीव्र वृद्धि हो रही है, जिसके कारण खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की व्यापक मांग में वृद्धि भी हो रही है। अतः भारतीय अर्थव्यवस्था में निर्यात की गुंजाइश देखी जा रही है।

भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का महत्व:

⇒ कृषि अवसंरचना में वृहद सुधार

⇒ भंडारण क्षमता में सुधार

⇒ फसल विविधता मानकों में वृद्धि

⇒ बेहतर अवसंरचना तथा सुधार में वृद्धि

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में चुनौतियां :

⇒ भंडारण क्षमता की सीमित उपलब्धता।

⇒ स्टैण्डर्ड मानकों का अभाव

⇒ परिवहन लागत एवं अवसंरचना

⇒ सीमित जानकारी मानक

⇒ बिचौलियों की उपस्थिति

⇒ मशीनों (यंत्रों) की लागत व पहुंच

* भारत सरकार द्वारा नीतिगत उपाय :—

⇒ FSSAI के सौजन्य से भंडारण क्षमता सुधार

⇒ ई-नाम एवं ई-वे बिलिंग योजना

⇒ अवसंरचना एवं बुनियादी ढांचा सुधार

⇒ बिचौलियों का उन्मूलन

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ निर्यात हेतु प्रोत्साहन

⇒ कोल्ड स्टोरेज की क्षमता बढ़ाना

⇒ सहकारी कृषि पर जोर एवं सहकारी मंत्रालय स्थापना

⇒ फूड फोर्टिफिकेशन करना

इस प्रकार कहा जा सकता है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के माध्यम से भारत सरकार आत्मनिर्भर भारत की ओर बेहतर कदम उठा रही है। जो भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने हेतु प्रभावी प्रयास के रूप में सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

drishti | दृष्टि The Vision

18. हिमालयी क्षेत्र में भूस्खलन की बढ़ती घटनाओं के पश्च में निहित कारणों और उनके संभावित प्रभावों पर विचार कीजिये। इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिये अपनाई जा सकने वाली संवहनीय शमन कार्यनीतियों के सुझाव प्रदान कीजिये।

(250 शब्द) 15

Examine the reasons behind the rising occurrence of landslides in the Himalayan region and their potential impacts. Suggest sustainable mitigation strategies that could be adopted to tackle this escalating issue.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण से हिमालय क्षेत्र में नवीन पर्वत श्रृंखला होने के कारण एवं अधिक संकरी V (वी) आकार की खाइयां तथा पर्यावरण प्रदूषण आदि होने की वजह से भूस्खलन के प्रति अधिक प्रवणता दिखाई देती है। जिसके निम्नलिखित संभावित कारण हैं:–

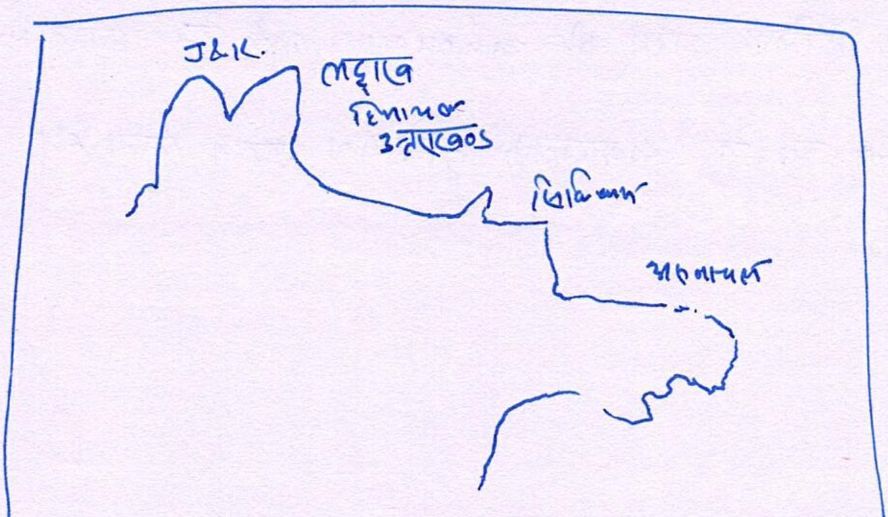

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में हिमालय उत्तर से उत्तर-पूर्व की ओर अनेक राज्यों से घिरा हुआ है।

⇒ प्राकृतिक कारण:

⇒ भूकम्प की बारंबार उपस्थिति

⇒ प्लेट टेक्टोनिक्स की स्थिति

⇒ बाढ़ एवं अधिक वर्षा

⇒ नदीय परिवर्तन

* मानव जनित कारण

⇒ अनियोजित विकास

⇒ बुनियादी ढांचा विकास

⇒ असंधारणीयता

⇒ पर्यटन एवं प्रदूषण

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* हिमालय क्षेत्र में भूस्खलन शमन हेतु संवहनीय नीतियां :-

⇒ हिमालय से लगे राज्यों के साथ हिमालय संरक्षण पहल

⇒ अंतर्राष्ट्रीय मानकों को अपनाने पर जोर

⇒ भूस्खलन हेतु NAVIC का प्रयोग

⇒ संधारणीयता को बढ़ावा देना

⇒ पर्यटन हेतु सतत नवीकरणीय साधन

⇒ ग्लोबल वार्मिंग को कम करने पर जोर

इस प्रकार कहा जा सकता है कि हिमालयी क्षेत्र में भू-स्खलन को कम करने की नितांत आवश्यकता मानकों को अपनाने पर जोर दिए जाने की जरूरत है।

drishti | दृष्टि The Vision

19. सीमा–पार घुसपैठ के प्रति सुभेद्यता को भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में विद्रोह की लगातार घटनाओं के पश्च में निहित प्राथमिक कारण माना जा सकता है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Vulnerability to cross border infiltration can be termed as the primary reason behind frequent insurgencies in North-eastern region of India. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सीमा-पार घुसपैठ के प्रति सुभेद्यता और पूर्वोत्तर भारत क्षेत्र में विद्रोह की लगातार घटनाओं के पीछे आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं स्थानीय कारक जिम्मेदार माने जाते रहे हैं। प्रमुख रूप से यह कारक निम्न रूप में प्रभाव डालते हैं।

आर्थिक कारक

⇒ अनियोजित विकास के कारण उत्पन्न स्थिति

⇒ उद्योग धंधों की निम्न स्थिति

⇒ रोजगार के निम्न संसाधन

⇒ बुनियादी ढांचा अभाव

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सामाजिक कारक:

⇒ शिक्षा एवं संस्कृति बाधाएं

⇒ गरीबी एवं वंचना

⇒ मूलभूत सुविधाओं का अभाव

⇒ जागरूकता

राजनीतिक कारक

⇒ क्षेत्रीयता

⇒ भौगोलिक रूप से नक्सलियों की बहुलता

⇒ स्वयं के फायदे हेतु अलग- अलग मांगे

⇒ सरकारों के साथ -न्यूनतम संलग्नता

उपाय :

⇒ सार्वभौमिक योजनाओं का लाभ दिया जाना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ अफस्पा को और मजबूत बनाना तथा मानवाधिकारों के हनन को रोकने हेतु कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए।

⇒ बुनियादी ढांचा सुधार

⇒ अलग राज्य मांगों जैसे नागालिम, इसाक-मुइवा आदि के प्रति कठोर रुख अपनाना

⇒ साक्षरता एवं जागरूकता पैदा करने पर जोर देना

इस प्रकार कहा जा सकता है कि पूर्वोत्तर भारत की आर्थिक, सामाजिक जरूरतों को पूरा करके इस समस्या को समाप्त करने पर जोर दिया जाना चाहिए।

20. वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) धनशोधन और आतंकवादी वित्तपोषण से निपटने के लिये वैश्विक मानकों के निर्माण को किस प्रकार आकार प्रदान करता है? इसके कार्यकरण को सुदृढ़ करने के उपाय संबंधी सुझाव प्रदान कीजिये।

(250 शब्द) 15

In what ways does the Financial Action Task Force (FATF) shape the creation of global standards for combating money laundering and terrorist financing? Suggest measures to strengthen its functioning.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

धन शोधन एवं आतंकवादी वित्तपोषण से निपटने हेतु वित्तीय कार्रवाई बल (FATF) प्रमुख भूमिका निभाता है तथा विभिन्न समूहों के लिए कठोर मानक के रूप में अवसंरचना प्रदान करने पर जोर देता है।

FATF कार्यवाही:

=> किसी आतंकवादी वित्तपोषण में संलग्न देश को ग्रे-लिस्ट में डालता है।

उदाहरण हाल ही में पाकिस्तान को ग्रे-लिस्ट में डाला गया था।

=> वित्तीय मानक संचालन की अनुशंसा की-

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नकारात्मक प्रकृति को रोकने के लिए कठोर मानक अपनाता है जिससे देश की साख में गिरावट आती है। एवं उस देश को लोन-लेने में असुविधा होती है।

⇒ FATF वित्तीय फ्राड को समाप्त करने हेतु कार्यवाही करता है।

⇒ FATF इंटरपोल के साथ वित्तीय कार्यवाही में स्पष्टता की स्थिति से निपटता है।

सशक्तिकरण हेतु उपाय:

⇒ बेहतर अवसंरचना सूचना प्रबंधन उपलब्ध कराना चाहिए

⇒ देशों के साथ एकीकृत डेटा शेयर किया जाना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ आतंकी एवं धन शोधन से निपटने हेतु बेहतर प्रयास के रूप में प्रौद्योगिकी प्रयोग किया जाना चाहिए।

⇒ एकीकृत डाटा व्यवस्था निर्माण करना चाहिए।

उपर्युक्त सभी आयामों पर कहा जा सकता है कि वित्तीय कार्यवाई दल को और अधिक लचीलापन एवं समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। जिससे कि धन शोधन एवं आतंकी वित्त पोषण से बेहतर तरीके से निपटा जा सके।

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)